

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक: 11 सितम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के आयोजनागत पक्ष की धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त आपके पत्र संख्या: 611/लेखा/बजट/2007-08, दिनांक 24.08.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2007-08 में आयोजनागत पक्ष में शासनादेश संख्या 3041/VII-1/31-रिट/2007, दिनांक 07 अगस्त, 2007 द्वारा 42-अन्य व्यय मद में रु० 71,003/- की स्वीकृति धनराशि को सम्मिलित करते हुए सलग्न विवरणानुसार कुल रु० 11,00,000/- (रु० ग्यारह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

3- धनराशि व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि गतवर्ष स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही स्वीकृत धनराशि व्यय किया जाय।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2008 तक कर लिया जायेगा। धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध करा दिया जाय। यदि उक्त तिथि तक कोई भी धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जाये।

5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष कार्यालय फर्नीचर/उपकरण एवं कम्प्यूटर व अन्य उपकरण आदि का क्रय आईटी0/एन0आई0सी0 एवं डी0जी0एस0 एण्ड डी0 के दिशा-निर्देशानुसार एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अधीन किया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, आयोजनागत, 001-निर्देशन तथा प्रशासन (लघु शीर्षक, 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00 के अन्तर्गत संलग्नक में इंगित सुसंगत प्राथमिक मदों के नामे डाला जायेगा।

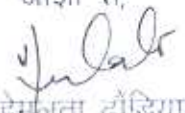
7- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0 375/XXVII(2)/2007, दिनांक 06 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 4846 (1)/VII-2-07/51-ख/2006, तददिनांकित;
प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/हल्द्वानी।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या 4846 / VII-2-07 / 51-ख / 2006, दिनांक 11 सितम्बर, 2007 का संलग्नक :-

03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00-आयोजनागत

क्र० सं०	मद सं०	(धनराशि हजार रु० में) स्वीकृत की जा रही धनराशि
1.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	100
2.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	300
3.	26-मशीनें और सज्जा / उपकरण और सयंत्र	100
4.	42-अन्य व्यय	300
5.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर / सॉफ्टवेयर का क्रय	300
	योग	1100

(रु० ग्यारह लाख मात्र)


(डा० हेमन्ता दांडियाल)
अपर सचिव।